



NEWS | हिन्दी

कोरोना वायरस: 9 बजे 9 मिनट, बत्ती न बुझाने को लेकर मुसलमान परिवार पर हमला

सत सिंह

रोहतक से, बीबीसी हिंदी के लिए

🕒 6 अप्रैल 2020



SAT SINGH /BBC

भारत में कोरोनावायरस के मामले

17656

कुल मामले

2842

जो स्वस्थ हुए

559

मौतें

स्रोत: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

10: 36 IST को अपडेट किया गया

हरियाणा के जींद के एक गांव में रविवार को कुछ लोगों ने अपने पड़ोस में रहने वाले चार मुसलमान भाइयों पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया.

मामला ठाठरथ गांव का है जहां रविवार रात को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर घर के बाहर की बत्ती न बुझाने के लिए हिंदू पड़ोसियों ने नज़दीक रहने वाले चार मुसलमान भाइयों पर हथियारों से हमला किया.

हमले में चारों भाई - 36 साल के बशीर खान, 34 साल के सादिक खान, 32 साल के नज़ीर खान, और 30 साल के संदीप खान घायल हो गए हैं. फ़िलहाल जींद के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है.

मुख्य महानिरीक्षक अश्विन शेन्वी ने बीबीसी को बताया कि इस मामले में उन्होंने चार लोगों के खिलाफ़ मामला दर्ज किया है और उन्हें गिरफ़्तार कर लिया है.

उनका कहना है कि फ़िलहाल पूरे मामले की जाँच चल रही है और अभी और जानकारी मिलने की उम्मीद है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी देशवासियों से अपील की थी कि कोरोना के खिलाफ़ लड़ाई में एकजुटता दिखाने के लिए वो रविवार रात 9 बजे 9 मिनट के लिए अपने घरों की बत्तियां बुझा कर बालकनी में दीये या मोमबत्ती जलाएं.

घायल भाइयों में से एक बशीर खान ने बीबीसी को बताया कि 5 अप्रैल की शाम 9 बजे वो प्रधानमंत्री मोदी की अपील का पालन कर रहे थे, लेकिन उस वक्त घर के बाहर जलने वाले बल्ब को बुझाने के कारण उनके पड़ोसियों ने उनके साथ गाली गलौच की.

वो कहते हैं दोनों पक्षों के बीच रात को कहसुनी भी हो गई लेकिन उसके बाद मामला ठंडा पड़ गया. लेकिन अगले दिन सवेरे उन्होंने अपने हिंदू पड़ोसियों से बात की और गाली गलौच करने की वजह जाननी चाही तो उनके पड़ोसियों ने उन पर हमला कर दिया.

वो कहते हैं कि इसके बाद करीब दर्जन भर पड़ोसियों ने पास ही कुर्सी पर बैठे उनके छोटे भाई सादिक खान पर धारदार हथियार से हमला कर दिया. सादिक खान के घायल होने के बाद दोनों पक्षों के बीच लड़ाई शुरू हो गई.

बशीर खान कहते हैं, "हम चारों भाइयों को हाथों पर, पैरों पर, चेहरे और सिर पर चोटें आई हैं. छोटे भाई संदीप को गंभीर चोटें आई हैं. उसकी हालत ठीक नहीं है और उसे जींद ज़िला अस्पताल ने इलाज के लिए पीजीआईएमएस रोहतक रेफ़र किया है."

बशीर खान कहते हैं कि ये पहली बार नहीं है जब उनके हिंदू पड़ोसियों के साथ छोटे-छोटे मुद्दे पर उनकी लड़ाई हुई है. वो बताते हैं कि जब दिल्ली के निज़ामुद्दीन में हुए धार्मिक सम्मेलन में कई लोगों के कोरोना पॉज़िटिव होने की बात की जा रही थी उस वक़्त भी उनके पड़ोसियों से उनकी अनबन इस बात को लेकर हुई थी कि उन्होंने दिल्ली के कार्यक्रम में शामिल लोगों को अपने घर पर पनाह दी है.

वहीं खान भाइयों के पड़ोसी संजय कुमार ने दोनों के बीच झगड़े का कारण बताते हुए कहा कि खान भाइयों ने प्रधानमंत्री की रात 9 बजे दीया जलाने की अपील की इज़ज़त नहीं की.

वो आरोप लगाते हैं, "सभी पड़ोसियों ने अपने घरों की बत्तियां बुझा दी थीं लेकिन इन भाइयों ने ऐसा नहीं किया. हमने उन्हें बत्ती स्विच ऑफ़ करने के लिए कहा और इस बात पर उनसे बहस हो गई. हमने देखा था कि उन्होंने बाहर से आए एक व्यक्ति को भी अपने घर पर रखा था. जब हमने उनसे पूछा तो वो हमसे झगड़ने लगे."

गांव के प्रमुख रामकेश कुमार कहते हैं कि अगर सभी लोगों ने अपने घरों की सभी बत्तियां बंद कर दी होतीं तो हिंदू और मुसलमान परिवारों के बीच के इस झगड़े को टाला जा सकता था.

वो कहते हैं, "रविवार रात को दोनों परिवारों के बीच बहस हुई थी लेकिन सोमवार सवेरे तक दोनों के बीच झगड़ा बढ़ा हो गया."

रामकेश कुमार कहते हैं कि ख़बर मिलते ही वो घटनास्थल की तरफ़ दौड़े थे लेकिन जब तक वो पहुंचे वहीं कुछ लोग घायल हो चुके थे.

ठाठरथ गांव में बहुसंख्यक हिंदू आबादी है यहां लगभग 2,000 हिंदू परिवार हैं और 20 मुसलमान परिवार हैं.

मामले की जाँच कर रहे पुलिस अधिकारी राकेश कुमार कहते हैं कि घटनास्थल पर पहुंचने के बाद उन्हें पता चला है कि मुसलमान परिवार ने प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर दीये जलाए थे लेकिन घर के बाहर का एक बल्ब गलती से बंद करना वो भूल गए थे. वो कहते हैं अभी मामले की जांच जारी है.

- [कोरोना वायरस: मोदी से मदद क्यों मांग रहे हैं ट्रंप?](#)
- [कोरोना वायरस लॉकडाउन प्रदूषण के मोर्चे पर एक वरदान है?](#)
- [कोरोना लॉकडाउन: बीवी को बैठाकर 750 कि.मी. साइकिल चलाने वाला मज़दूर](#)
- [कोरोना वायरस के क्या हैं लक्षण और कैसे कर सकते हैं बचाव](#)
- [कोरोना वायरस: किसी सतह पर कितनी देर ज़िंदा रहता है ये विषाणु](#)
- [कोरोना वायरस: संकट के दौर में भी खुशियाँ बिखेरते ये लोग](#)
- [कोरोना वायरस: क्यों ख़तरे में हैं इलाज करने वाले डॉक्टर और नर्स](#)
- [कोरोना वायरस: क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास लॉकडाउन ही एकमात्र रास्ता था?](#)
- [कोरोना वायरस संकट के इस दौर में डॉक्टरों के घरवाले भी चिंतित हैं?](#)
- [कोरोना वायरस: क्या वाक़ई में बच्चों में संक्रमण का ख़तरा कम होता है?](#)

(बीबीसी हिन्दी के एंड्रॉइड ऐप के लिए आप [यहां क्लिक](#) कर सकते हैं. आप हमें [फ़ेसबुक](#), [ट्विटर](#), [इंस्टाग्राम](#) और [यूट्यूब](#) पर फ़ॉलो भी कर सकते हैं.)

बीबीसी न्यूज़ मेकर्स

चर्चा में रहे लोगों से बातचीत पर आधारित साप्ताहिक कार्यक्रम

सुनिए

मिलते-जुलते मुद्दे

नरेंद्र मोदी

भारत

कोरोना वायरस

भारत में कोरोना वायरस से लॉकडाउन

हरियाणा

इस खबर को शेयर करें शेयरिंग के बारे में



सबसे ऊपर चलें

संबंधित समाचार

कोरोना वायरस: बीजेपी विधायक पर लॉकडाउन में सैकड़ों लोगों के साथ जन्मदिन मनाने का आरोप

6 अप्रैल 2020

कोरोना वायरस: मुंबई में अस्पताल की 26 नर्सों, तीन डॉक्टर कोरोना संक्रमित

6 अप्रैल 2020

कोरोना: भोपाल में मीडिया, मिल्क, मेडिसिन को छोड़ टोटल लॉकडाउन

6 अप्रैल 2020

कोरोना लॉकडाउन: दूरदर्शन बनाम नेटफ्लिक्स, रात 9 बजे 9 मिनट की MEME कहानी #SOCIAL

6 अप्रैल 2020

कोरोना से निपटने के लिए सांसदों की तनख्वाह में कटौती

6 अप्रैल 2020

बीबीसी

News

Weather

Arts

Sport

Radio

इस्तेमाल की शर्तें

गोपनीयता की नीति

Accessibility Help

बीबीसी से संपर्क

हमारे साथ विज्ञापन करें

बीबीसी के बारे में

Cookies

Parental Guidance

Get Personalised Newsletters

विज्ञापनों के विकल्प

Copyright © 2020 बीबीसी. बीबीसी बाहरी साइटों पर मौजूद सामग्री के लिए ज़िम्मेदार नहीं है. एक्सटर्नल लिंक्स पर बीबीसी की नीति.